RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com



संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

sancharjagatkhabar@gmail.com

वह अनमोल वचन हैं, जो हमारी सोच को सकारात्मक बनाते और जीवन को सही दिशा दिखाते हैं।

वर्षः 13 | अंकः 247 जयपुर, मंगलवार, 06 अक्टूबर , 2026 मूल्यः 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने से किया इनकार



संचार जगत

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने का आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। ज्ञानेश के खिलाफ ये याचिकाएं स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन से जुड़े फैसलों को लेकर दाखिल की गई थीं। आरोप है कि एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए। याचिकाकर्ताओं ने इन फैसलों को पलटने, ज्ञानेश कुमार पर मुकदमा चलाने और एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाने की एसआईटी जांच की मांग की है। साथ ही सीईसी को अंतिम फैसला आने तक पद के कामकाज से अलग रखने की भी मांग की गई थी। इस मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी। विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था।

आज कोर्ट में पेश करेगा पालना रिपोर्ट

जेडीए ने न्यू सांगानेर रोड से हटाया अवैध निर्माण

संचार जगत

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने सोमवार को न्यू सांगानेर रोड पर 50 से ज्यादा मकान-दुकानों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। गुर्जर की थड़ी चौराहे से सोडाला तिराहे तक करीब 3 चरूएरिया में कुल 260 अवैध निर्माण हटाए जाने हैं। यह सड़क 100 फीट चौड़ी है, लेकिन काफी जगह अवैध निर्माण के कारण इसकी चौड़ाई 40 से 60 फीट तक ही रह गई है। आज गुर्जर की थड़ी चौराहे से लजीज रेस्टोरेंट तक 1 KM में सड़क सीमा में आ रहे रैम्प, रेलिंग, फुटपाथ, टिनशेड, सीढ़ियां और बाउंड्री वॉल को तोड़ा गया। इस दौरान जब एक दुकान की टिनशेड पर बुलडोजर चलाया गया तो व्यापारी बार-बार कहने के बावजूद अंदर ही खड़ा रहा। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट के



आदेश के बाद इस पूरी सड़क को 100 फीट करने की तैयारी की जा रही है। जेडीए 6 अक्टूबर को कोर्ट में कार्रवाई की पालना रिपोर्ट पेश करेगा। जेडीए की कार्रवाई के दौरान पुलिस का जाब्ता मौके पर तैनात रहा। गुर्जर की थड़ी से न्यू सांगानेर रोड पर संजीवनी हॉस्पिटल की तरफ रास्ता बंद किया गया। ट्रैफिक भी डायवर्ट किया है। जो अवैध निर्माण हटाए गए, उन्हें जेडीए की ओर से पहले ही नोटिस दिया चुका था। इस बीच व्यापारी भी अपने स्तर पर ही अवैध निर्माण हटाते और दुकानें खाली करते नजर आए। व्यापारियों का कहना है कि त्योहार के समय इस तरह की कार्रवाई से उनके कारोबार पर असर पड़ेगा। उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो सकता है। जेडीए की ओर से न्यू सांगानेर रोड पर पहले दिन 50 से ज्यादा अवैध निर्माण हटाए गए। इनमें सड़क सीमा में आ रही बाउंड्री वॉल, सीढ़ियां, रेलिंग और फुटपाथ को तोड़ा गया। जेडीए के प्रवर्तन अधिकारी इस्लाम खान बताया- आज कार्रवाई के दौरान काफी लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई है। इसके साथ ही पूर्व में भी आपत्ति दर्ज कराई गई हैं, जिन पर सुनवाई के बाद ही अब आगे की कार्रवाई की जाएगी।जेडीए के अधिकारियों ने व्यापारियों से समझाइश भी की। जिसका व्यापार मंडल के सदस्य और स्थानीय लोगों ने समर्थन भी किया।सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि आज गुर्जर की थड़ी से न्यू सांगानेर रोड पर लगभग 1 किलोमीटर क्षेत्र में सड़क सीमा पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया जा रहा है। आज किसी भी बड़े निर्माण को नहीं तोड़ा जाएगा। सिर्फ सड़क सीमा से ही अतिक्रमण हटाया जाएगा।

रोशनी से कंट्रोल होगी दिमागी कोशिकाएं

तीन वैज्ञानिकों को मिला मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार



संचार जगत

स्टॉकहोम। 2026 का मेडिसिन नोबेल जर्मनी के पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल और अमेरिका के कार्ल डाइसेरोथ को दिया गया है। इन वैज्ञानिकों ने ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद की, जिससे रोशनी की मदद से दिमाग की अलग-अलग तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करके उनके काम को समझा जा सकता है। पहले वैज्ञानिकों के लिए यह पता लगाना मुश्किल था कि दिमाग की कौन-सी तंत्रिका कोशिका किस काम के लिए जिम्मेदार है। ऑप्टोजेनेटिक्स की मदद से अब वैज्ञानिक याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। इससे डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों और दिमाग से जुड़ी दूसरी बीमारियों पर रिसर्च करना भी आसान हुआ है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, इन तीनों वैज्ञानिकों की खोज ने दिमाग को समझने के लिए रिसर्च का एक नया रास्ता खोल दिया है। इस तकनीक का इस्तेमाल आंखों की बीमारियों पर भी किया जा रहा है। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि इसकी मदद से दृष्टि खो चुके लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है या नहीं। वैज्ञानिक पीटर हेगेमैन यह समझना चाहते थे कि यह शैवाल रोशनी की तरफ कैसे तैरती है। इसी सवाल पर काम करते हुए उन्होंने और जॉर्ज नागेल ने शैवाल में एक खास प्रोटीन की पहचान की। इसका नाम चैनलरोडोप्सिन है। आसान भाषा में कहें तो यह प्रोटीन कोशिका के लिए रोशनी को महसूस करने वाले सेंसर की तरह काम करता है।

इंडो-अमेरिकी ट्रेड डील में अब नहीं होगी कोई बात

जहां तक कदम आ चुके हैं, आ गए हैं

संचार जगत

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर कहा कि दोनों देशों के बीच काफी दौर की बातचीत हो चुकी है। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी बात रखी है. ऐसे में अब आगे किसी तरह की बड़ी रियायत देना आसान नहीं होगा। उन्होंने ये भी कहा कि प्रपोज्ड निर्मला सीतारमण ने कहा कि ये बातचीत काफी मुश्किल और लंबी रही है। दोनों देशों के लिए अपने हितों को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना



जरूरी है। अब दोनों पक्ष ऐसा रास्ता तलाश रहे हैं, जिससे समझौते पर सहमति बन सके।

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत अभी चल रही है। निर्मला सीतारमण के मुताबिक, दोनों देश बातचीत के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गए हैं, जहां आगे कुछ देना या लेना काफी मुश्किल हो सकता है। हालांकि, दोनों पक्ष अभी भी समझौते की बची हुई संभावनाओं पर चर्चा कर सकते हैं. निर्मला सीतारमण ने ये भी कहा कि दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस भारत के पक्ष में है। अमेरिका अपने व्यापार घाट को कम करना चाहता है। उनके मुताबिक, अमेरिका पिछले सालों में हुए व्यापार नुकसान की भरपाई के लिए भारत से कुछ रियायतें चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा बातचीत फरवरी 2026 में तय किए गए एक शुरुआती ट्रेड एग्रीमेंट के फ्रेमवर्क पर आधारित है।

आरपीए में दीक्षांत परेड

438 महिला कॉन्स्टेबल ने ली देश और जनसेवा की शपथ

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी में सोमवार को नव-प्रशिक्षित कॉन्स्टेबल के बैच-102 का दीक्षांत परेड समारोह गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। पासिंग आउट परेड के दौरान परिजनों और पुलिसकर्मियों की तालियों की गूंज के बीच प्रदेश के विभिन्न शहरों और गाँवों से पहुँची 438 महिला कॉन्स्टेबल ने देश और जनसेवा की शपथ ली। मार्च पास्ट के दौरान मंच के सामने से गुजरती नारी शक्ति का दर्शक दीर्घा में बैठे परिजनों ने खुशी के आँसुओं और गर्व के साथ स्वागत किया। समारोह की मुख्य बातें और डीजीपी का संबोधन : निरीक्षण और शपथः समारोह में परेड कमांडर प्रियंका



बेनीवाल के नेतृत्व में मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं आरपीए निदेशक संजीब कुमार नार्ज़ारी ने नव-प्रशिक्षित कॉन्स्टेबलों को शपथ दिलाई। सेवा और समर्पण की नई शुरुआतः डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने नव-प्रशिक्षितों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस वर्दी को केवल एक फोर्स नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सच्ची सेवा के रूप में देखें।

कांग्रेस ने की बैलेट पेपर से चुनाव की मांग

एसआईआर रद्द और ज्ञानेश कुमार का मांगा इस्तीफा

संचार जगत

नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से सोमवार को चुनाव आयोग (ईसीआई) से जुड़े हालिया विवाद पर पार्टी की ओर से ऐसी मांग गिनाई गई है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा भी शामिल है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व में कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खड़गे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी की 3 मांगें ऐसी हैं, जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा;



दूसरी, एसआईआर को रद्द करना और तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना।उन्होंने कहा, पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया ब्लॉक के सहयोगी इन तीन मुद्दों को लेकर सड़कों पर हैं। देशभर में अलग-अलग जगहों पर जो भी सिविल सोसाइटी के सदस्य और युवा संगठन इन मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं। सीईसी के विरोध में दिल्ली में महिला पत्रकारों के साथ हुई बदसलूकी की घटना का जिक्र करते हुए कांग्रेस प्रमुख ने कहा, दूसरी ओर, भाजपा ने दिल्ली में महिला पत्रकारों को परेशान किया है, जो बेहद निंदनीय है। तानाशाह बहुत घबराया हुआ है; ध्यान भटकाने वाली चालों के एक और अध्याय के लिए तैयार हो जाइए। शनिवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए जाने पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए तीन महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई हैं। पुलिस ने रविवार को बताया कि शिकायतों को निष्पक्ष जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। इस बीच, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले विपक्ष ने चुनाव आयोग के खिलाफ मुंबई में गर्जना मोर्चा आयोजित किया।

मुख्य सचिव ने किया भरतपुर दौरा



संचार जगत

भरतपुर । राजस्थान के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास दो दिवसीय दौरे पर भरतपुर में हैं। इस दौरान सोमवार को वे विश्व प्रसिद्ध केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे। यहां उन्होंने उद्यान का भ्रमण किया और वहां की जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों और वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। मुख्य सचिव के उद्यान पहुंचने पर वन विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पूरे पार्क का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सारस, साइबेरियन क्रेन सहित कई दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों को देखा। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस सीजन में अब तक कितने प्रवासी पक्षी पार्क में आ चुके हैं और उनके संरक्षण के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं। भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने उद्यान परिसर में पौधा रोपण भी किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल भी है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। सरकार की प्राथमिकता है कि इस धरोहर को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जाए।वन विभाग के अधिकारियों ने मुख्य सचिव को उद्यान में चल रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। दौरे के दौरान मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर और एसपी के साथ करीब 15 मिनट तक बैठक कर आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में पंचायत चुनाव पूरी तरह पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए जाएंगे।

प्रधान बनकर गड़बड़ी की तो एक मिनट में हटा दूंगा

मदन दिलावर ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ दिखाए कड़े तेवर

संचार जगत

कोटा। कोटा के मोड़क गाँव में पंचायतीराज चुनाव को लेकर आयोजित भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ बेहद कड़े तेवर दिखाए हैं। उन्होंने चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हुए साफ शब्दों में कहा कि यदि कोई प्रधान बनने के बाद गड़बड़ी या भ्रष्टाचार करेगा, तो उसे एक मिनट के भीतर पद से हटा दिया जाएगा। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंसः मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि चुनाव लड़ने वाले कार्यकर्ता इस गलतफहमी में बिल्कुल न रहें कि वे प्रधान बनने के बाद मनमानी कर सकेंगे। चाबी सरकार के पास ही रहेगी और किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, चाहे वह भाजपा का ही प्रधान क्यों न हो। उन्होंने कांग्रेस के एक पूर्व प्रधान का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसी गलतियों से सीख लेनी चाहिए। 'हम मोदी के चेले हैं ': दिलावर ने पार्टी की नीति को दोहराते हुए कहा, 'हम मोदी के चेले हैं, न खाते हैं और न ही किसी को खाने देते हैं। चेचट और लाड़पुरा में जीत का लक्ष्यः चेचट पंचायत समिति का गठन भाजपा सरकार द्वारा किया गया है, इसलिए मंत्री ने कार्यकर्ताओं से यहाँ पहला बोर्ड भाजपा का बनाने का आह्वान किया। उन्होंने हाल ही में सुकेत नगर पालिका में भाजपा की जीत का हवाला देते हुए 17 में से 17 वार्ड जीतने का लक्ष्य रखा।

इंडिगो में आज से सफर महंगा, फ्यूल चार्ज बढ़ाया

संचार जगत

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की फ्लाइट्स आज से महंगी हो जाएंगी। एयरलाइन ने घरेलू उड़ानों में 1300 तक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स में 10 हजार तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई कीमतें 6 अक्टूबर रात 12:01 बजे से लागू होंगी। इंडिगो ने छह महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर एक अप्रैल



को किराया बढ़ाया था। एयरलाइन के मुताबिक, यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल महंगा होने से लिया गया है। कंपनी ने किराया बढ़ाने का फैसला हवाई जहाजों में इस्तेमाल होने वाला फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। 1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत 121 से बढ़कर अब 137 हो गई है। यानी 1 लीटर एटीएफ की कीमत 16 रुपए बढ़ गई है। इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है। जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है।

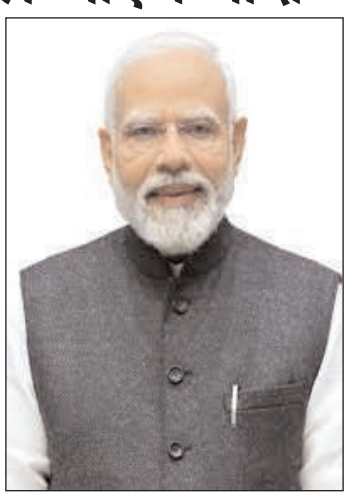
रूस में अज्ञात वायरस से लैब कर्मचारी की मौत

संचार जगत

मॉस्को। रूस में अज्ञात वायरस से लैब कर्मचारी की मौत एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की मौत के बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी। 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। 29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई। टेस्ट ट्यूब में किस तरह का जैविक नमूना था, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ स्थानीय रिपोर्टों में इसे प्लेग से जुड़े नमूने से जोड़ा गया है, लेकिन रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। वहीं, रूस की स्वास्थ्य एजेंसी रोस्पोट्रेबनादजोर ने लैब में किसी टेस्ट ट्यूब के टूटने से साफ इनकार किया है।

जीएसटी अनुपालन प्रक्रिया होगी सरलः पीएम मोदी

संचार जगत



नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर सुधारों का अगला चरण कारोबारियों के लिए अनुपालन को और आसान बनाएगा तथा रिफंड प्रक्रिया को अधिक सरल और तेज करेगा। उन्होंने कहा कि इससे उद्योग जगत का विश्वास बढ़ेगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के उस लेख का उल्लेख करते हुए कही, जिसमें उन्होंने अगले चरण के जीएसटी सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। पीएम मोदी ने कहा कि नई पीढ़ी के जीएसटी सुधार कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और पूर्वानुमान योग्य बना रहे हैं, जिससे व्यवसायों और परिवारों दोनों को लाभ मिल रहा है। कहा कि नेक्स्ट-जेन जीएसटी करदाताओं को राहत देने और अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने, दोनों लक्ष्यों को एक साथ हासिल कर रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी सुधारों का मुख्य फोकस रजिस्ट्रेशन, रिटर्न फाइलिंग, रिफंड, विवाद निपटान और इनपुट टैक्स क्रेडिट की प्रक्रियाओं को सरल बनाना होगा। जीएसटी परिषद की 7 अक्टूबर को होने वाली बैठक से पहले सीतारमण ने अपने लेख में कहा कि प्रस्तावित प्रक्रिया सुधारों का उद्देश्य करदाताओं के अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करना है। सरकार चाहती है कि कारोबारी वर्ग को कम कागजी कार्रवाई और अधिक सुविधा मिले। वित्त मंत्री ने सितंबर 2025 में लागू हुई दर युक्तिकरण प्रक्रिया के बाद जीएसटी संग्रह और कर योग्य आपूर्ति के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया।

सम्पादकीय

'जेहादी' मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह 'जेहादी मानस', आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह 'अलकायदा' के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके 'लिंक्डइन' पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से 'फ्री फिलिस्तीन' जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे 'विमान क्रैश' करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी 'आत्मघाती' था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक 'नफरत' करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के 'विश्व व्यापार केंद्र' को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से अधिक यहूदी बताए जा रहे हैं।अलकायदा ने न जाने कितने पढ़े-लिखे नौजवानों को आतंकी के तौर पर, फिदायीन बनने के लिए भ्रमित किया होगा ! मौजूदा सिलसिला भी यहीं थमने वाला नहीं है, यह विशेषज्ञों का आकलन है। सरकारों और देशों की विदेश नीतियों में इतनी खामियां, इतने विरोधाभास हैं कि 'जेहादी' किस्म के चेहरों को भी पायलट जैसी घोर संवेदनशील और मानवीय जिम्मदारी की नियुक्तियां दी जाती रही हैं। यह पहली बार नहीं हुआ। इजरायल की सरकारी नीति है कि जिन देशों के साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं, कमोबेश उनके विमान और पायलट इजरायल में प्रवेश नहीं कर सकते। जब कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान विमानन सेवा ने हमामी को विमान उड़ाने से प्रतिबंधित कर दिया था, तो उसे दुबई में नौकरी कैसे मिली? और वह तेल अवीव, इजरायल जाने वाले विमान का सह-पायलट कैसे बना?

चुनाव आयोग की स्वायत्तता के घेरे में आई कांग्रेस...



खासकर एसआईआर प्रक्रिया पर तो जैसे बवाल ही मचा दिया। और जब अदालतों में ये मामले टिक नहीं पा रहे हैं तो अब चुनाव आयोग का झंडा उठाकर मैदान में उतर आए हैं। बीजेपी की लगातार चुनावी जीत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीतिक दृष्टि से न हरा पाने की खीझ ज्ञानेश कुमार पर उतारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

एसआईआर के मसले पर जारी बवाल के बीच, इंडिया अलायंस के सहयोगी नेशनल कांन्फ्रेस ने कांग्रेस के साथ रहते हुए, उसे भी लपेटे में ले लिया है। पार्टी के नेता फारुक अब्दुला ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु को घेरे में लेकर चुनाव आयोग की स्वायत्तता के मामले में उन्हें ही दोषी करार दे दिया। पटना से लेकर कोलकाता तक के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सहित इंडिया अलायंस दलों की करारी हार के बाद, चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठने शुरु हो गए थे। बिहार में तेजस्वी यादव से लेकर कोलकाता में ममता बनर्जी तक सभी चुनाव आयोग को निशाना बनाकर अपने राजनीतिक एजेंडे पर खेल रहे हैं। खासकर एसआईआर प्रक्रिया पर तो जैसे बवाल ही मचा दिया। और जब अदालतों में ये मामले टिक नहीं पा रहे हैं तो अब चुनाव आयोग का झंडा उठाकर मैदान में उतर आए हैं। बीजेपी की लगातार चुनावी जीत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीतिक दृष्टि से न हरा पाने की खीझ ज्ञानेश कुमार पर उतारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन पर मतदाताओं को नाम काटे जाने से लेकर न जाने क्या क्या आरोपों के साथ चुनाव आयोग कठघरे में खड़ा होता आ रहा है। जिन राज्यों में इंडिया अलायंस यानी विपक्षी दलों की सरकारें बनीं, वहां तो चुनाव आयोग ठीक काम कर रहा था, लेकिन जहां वह हारता जा रहा हैं, वहां चुनावी प्रक्रियाओं में खामियां निकाल कर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। एसआईआर अभियान के तहत जिस तरीके से लोगों के नाम जोड़े और हटाए गए, विपक्ष संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा रहा है। इस मामले में अबकी बार केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही नहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उसको लेकर पूरा विपक्ष सड़कों पर है। सुप्रीम कोर्ट के जज भी इतनी बड़ी संख्या में नामों को वोटर लिस्ट से काटे जाने पर सवाल उठा चुके हैं। अब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी इसके लपेटे में आ गए हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जवाहरलाल नेहरू की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी बड़ी गलती का खामियाजा देश भुगत रहा है। चुनाव आयोग के कामकाज के तरीके को लेकर देशभर में बवाल मचा हुआ है. खासकर एसआईआर अभियान के तहत जिस तरीके से वोटरें के नाम जोड़े और घटाए गए, उसको लेकर पूरा विपक्ष सड़क पर उतरा हुआ है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर मनमाने तरीके से फैसले लेने का आरोप लगा रहा है। अब इस मामले में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम भी आ गया है। उनका नाम इस पूरे विवाद में लाने वाला कोई और नहीं, बल्कि कांग्रेस का पुराना सहयोगी ही हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने चुनाव आयोग के बहाने नेहरू को घेरते हुए कहा कि नेहरू की सबसे बड़ी गलती का खामियाजा देश भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि यदि नेहरू ने चुनाव आयोग को ऑटोनोमस बना दिया होता तो आज हम लोग इस स्थिति में नहीं होते। फारूक अब्दुल्ला नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष हैं और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। चुनावी राजनीति में उन्होंने हार और जीत का अनुभव किया है। लंबे राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव में वे अब कह रहे हैं कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सबसे बड़ी गलतियों में से एक निर्वाचन आयोग को पूरी तरह ऑटोनोमस नहीं बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित नहीं होने के कारण आज देश को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर जारी विवाद के बीच, केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अगर निर्वाचन आयोग पूरी तरह स्वायत्त होता, तो देश आज इस स्थिति में नहीं होता। उन्होंने कहा कि नेहरू सरकार की सबसे बड़ी गलती यह थी कि निर्वाचन आयोग को पूरी तरह स्वायत्त नहीं बनाया गया। आज हम इसका खामियाजा भुगत रहे हैं। अगर निर्वाचन आयोग ऑटोनोमस होता, तो हम इस स्थिति में नहीं होते। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि चयन समिति में सरकार के दो सदस्यों और विपक्ष के एक नेता को शामिल किया गया है। उनके मुताबिक, ऐसी व्यवस्था में बहुमत सरकार के पक्ष में होने के कारण विपक्षी नेता की भूमिका सीमित हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुमत के आधार पर अपने सचिव को मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया, जो उनके अनुसार भाजपा के हित में काम कर रहे हैं। अब्दुल्ला ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची से लोगों के नाम चुनिंदा तरीके से हटाए गए और इसमें मुस्लिम मतदाताओं को भी निशाना बनाया गया। इस बीच ज्ञानेश कुमार का मामला अदालत में होने के कारण देश की निगाहें उस पर टिकी हुई है। उनके खिलाफ ये याचिकाएं स्पेशल इंटेन्सिव रिवीजन से जुड़े फैसलों को लेकर दाखिल की गई थीं। आरोप है कि एसआईआर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए गए। याचिकाकर्ताओं ने इन फैसलों को पलटने, ज्ञानेश कुमार पर मुकदमा चलाने और एसआईआर में मतदाताओं के नाम हटाने की एसआईटी जांच की मांग की है। साथ ही सीईसी को अंतिम फैसला आने तक पद के कामकाज से अलग रखने की भी मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ज्ञानेश कुमार को सस्पेंड करने का आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। इस मामले की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट से हुई थी, जिसमें एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारियों के बीच मतभेदों का जिक्र था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनाव पैनल के भीतर एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बार-बार चिंता जताई थी। विपक्ष एक बार फिर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना बना रहा है। अप्रैल 2026 में भी विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग नोटिस दिया था, लेकिन लोकसभा में वह प्रस्ताव खारिज हो गया था, जबकि राज्यसभा में अभी भी लंबित है। इस बार भी महाभियोग प्रस्ताव को कांग्रेस ही आगे कर रही है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर विपक्षी दलों से बात भी की है। संभावना है कि इसे अगले दो हफ्तों के भीतर पेश किया जाएगा। इस बीच एक और मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा है, जहां एक वकील ने भारत के अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अवमानना कार्रवाई चलाने की मांग की है।

अक्ल की सुनिए दिल का कहा कीजिए...





शरीर का एक भाग या फिर भावनाओं का समंदर...अगर यह शरीर का केवल एक हिस्सा है तो जीव विज्ञानी इसे आसानी से,जीव शास्त्र की परिभाषाओं में गढ़ कर समझा सकते हैं... और यदि भावनाओं का समंदर है,तो फिर इसकी गहराइयों में डूब कर गोते लगाते रहिए,कुछ हासिल नहीं होगा...अगर होगा तो सिर्फ उसके आसपास का ही नजरिया,वह भी साफ साफ नहीं, हल्का धुंधला सा ही समझ में आ पाएगा...ढ़ाई आखर प्रेम का पढ़ने वाला पंडित भी इसके बारे में न तो समझ पाए,और न ही यह समझा पाए,कि दिल चीज क्या है,आप मेरी जान लीजिए... बस,एक बार मेरा कहा मान लीजिए...माना है किसी ने... जीवन में बुद्धि यानी अक्ल और भावना यानी दिल,अलग-अलग रास्ते दिखाएं और दोनों अपनी-अपनी बात कहें,तब अमूमन बुद्धि की बात सुनी जाती है... निर्णय लेते समय दिल की भावनाओं का भी सम्मान किया जाता है...खुमार बाराबंकवी अपनी एक गजल में इस विचार को यूं बयां करते है कि,अक़्ल ओ दिल अपनी अपनी कहें जब ख़ुमार,अक़्ल की सुनिए दिल का कहा कीजिए...किया है किसी ने...कभी कभी सोच समझकर ही नहीं,भूल से भी दिल कहीं लग जाता है,या फिर जाने अनजाने में कहीं लगा दिया जाता है,तो साहिर लुधियानवी दिल को नादां और बेचारा बताते हुए कह देते हैं कि, भूले से मोहब्बत कर बैठा नादां था बेचारा दिल ही तो है...और जब किसी को दिया हुआ दिल वापस मांग लिया जाता है, तो जवाब में हकीम नासिर ने कह देते हैं कि,जो दिल मांगा तो वो बोले की ठहरो याद करने दो,जरा सी चीज थी खुदा जाने कहां रख दी... संचार सुविधाओं के विस्तार में मोबाइल क्रांति ने दिल को कहीं का नहीं छोड़ा...इस दिल के टुकड़े हजार हुए,कोई इधर गिरा कोई उधर गिरा...और यह सब होता है गलतफहमियों, मतभेद और मनभेद के कारण...खासकर सोशल मीडिया के इस दौर में... और वह भी उन किरदारों के साथ, जो इन प्लेटफॉर्म पर लाखों लोगों के साथ रहते हैं, खुशियां मनाते हैं, उनके साथ होने का दंभ भरते हैं...समाज में खुद को दूसरों से अलहदा समझते हुए आभाषी दुनिया का सरताज समझते है...हकीकत यह भी है कि, ऐसे लोग तिलिस्माई चकाचौंध से भरी इस आभाषी दुनिया को अपनी मुट्ठी में कैद कर, खंडहर सी जिंदगी को सपनों के महलों में रहने का ख्वाब पाल रहे हैं...जिनका हकीकत से दूर दूर तक वास्ता नहीं होता... मध्यप्रदेश से आई एक खबर ने दिल के मसले को चर्चा और बहस का मुद्दा बना दिया...क्या किसी का दिल आधा अधूरा होता है...होता है तो कैसा लगता है...और अगर नहीं तो पूरा दिल कैसा होता है...इस फानी दुनिया से जाते समय क्या वो पूरा दिल इस बात की गवाही देता कि वह आधा अधूरा है या पूरा... शून्य अवस्था में कोई संवाद नहीं होता...न तो दिल की आवाज सुनाई देती है और न दिमाग की...फिर यह कैसे तय कर लिया जाता है कि मेरा दिल आधा अधूरा है या पूरा...ईश्वर ने तो एक शरीर दिया जिसमें एक दिल भी होता है, जो पूरा एक ही होता है...तो फिर उसे बांट कौन देता है...आधा अधूरा कर देता है...कहा गया है कि आईने के सौ टुकड़े हमने करके देखे हैं, एक भी तन्हा थे सौ में भी अकेले हैं...यह है सोशल मीडिया की एक हकीकत...जो मध्यप्रदेश से आई एक खबर से साबित होती है, जिसमें एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपने आधे अधुरे दिल का फसाना साथ लेकर इस दुनिया को अलविदा कर दिया... सोशल मीडिया के सुनहरे आयामों के बीच एक धुंधला सा आवरण उसके आगे लहराता है...उसके पीछे की काली छाया सांय सांय कर डराती है, सहमाती है, एक खबर भले ही सुर्खियां बनी हो कुछ समय के लिए, कुछ घंटों, दिनों या फिर एक काल अवधि के लिए...घटना एक है, लेकिन इसके मायने बहुत...मतलब कई निकलते हैं...व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और नैतिक आधार पर चर्चा और बहस हो सकती है, लेकिन समस्या वहीं की वहीं खड़ी है... सवाल गंभीर है, समाधान उतना सहज और सरल नहीं है...जिंदगी जीने की कशमकश में दिलों की उलझनें बढ़ती हैं,घटती हैं, गलतफहमियां और मनभेद कम होते हैं, नहीं भी होते हैं...लेकिन जब तक आपस में बैठकर बातचीत या सलाह मशविरा नहीं किया जाता, यूं ही आवारगी और दीवानगी बढ़ती रहती है, कम होती रहती है...मतलब साफ है रिश्तों की कशमकश और दूरियों को मिटाने के लिए संवाद, यानी बातचीत बहुत जरूरी है...हफ़ीज़ होशियारपुरी इस तरफ इशारा करते हुए कहते भी है कि, दिलों की उलझनें बढ़ती रहेंगी,अगर कुछ मशवरे बाहम न होंगे... साहित्यकार उदय प्रताप सिंह ने भी लिखा कि सब फैसले होते नहीं सिक्का उछाल के,ये दिल का मामला है जरा देखभाल के... मोबाइलों के दौर के आशिक को क्या पता,रखते थे कैसे खत में कलेजा निकाल के...ये कहके नई रोशनी रोएगी एक दिन,अच्छे थे वही लोग पुराने ख्याल के... किसी ने सोचा है इसके बारे में...

कहानी

गूँजता सन्नाटा



महानगर के एक आलीशान अपार्टमेंट की दसवीं मंजिल पर बने फ्लैट में रहने वाले 70 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आनंद जी के लिए हर दिन एक जैसा था। सुबह की चाय, अखबार और बालकनी से दिखती तेज रफ्तार जिंदगी। उनके ठीक सामने वाले फ्लैट में तीन सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवा रहते थे। वे अक्सर देर रात घर लौटते, अपने कानों में ईयरफोन लगाए और स्क्रीन पर नजरें टिकाए। कभी-कभार लिफ्ट में आमना-सामना होने पर भी, वे आनंद जी को देखने के बजाय अपने फोन को स्क्रॉल करने में व्यस्त रहते। आनंद जी बस एक फीकी मुस्कान के साथ उनसे नजरें मिलाने की कोशिश करते, पर तकनीक की दीवार हमेशा बीच में आ जाती। एक शाम, पूरे अपार्टमेंट की बिजली अचानक गुल हो गई। बैकअप जनरेटर भी तकनीकी खराबी के कारण ठप हो गया। पूरे ब्लॉक में अंधेरा छा गया और सबसे बड़ी आफत यह हुई कि मोबाइल नेटवर्क और वाई-फाई के सिग्नल पूरी तरह गायब हो गए। सामने वाले फ्लैट के तीनों युवक घबराकर बाहर लॉबी में आ गए। उनके पावर बैंक खत्म हो रहे थे और बिना इंटरनेट के वे पूरी दुनिया से कट चुके थे। अंधेरे और सन्नाटे से घबराकर उन्होंने झिझकते हुए आनंद जी का दरवाजा खटखटाया, जिनके पास हमेशा एक मोमबत्ती और माचिस तैयार रहती थी। आनंद जी ने मुस्कुराकर उनका स्वागत किया। उस रात, बिना किसी स्क्रीन के, चारों लोग मोमबत्ती के मद्धम उजाले में बैठे। युवाओं को पहली बार पता चला कि आनंद जी ने उसी विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है जहाँ से वे पास आउट हुए हैं। उन्होंने आनंद जी से उनके दौर की कहानियाँ सुनीं और आनंद जी ने उनके करियर के संघर्षों को समझा। जब दो घंटे बाद बिजली लौटी, तो चारों के चेहरे पर एक अलग सी चमक थी। मोबाइल स्क्रीन फिर से जगमगा उठी, लेकिन इस बार युवाओं ने उसे तुरंत जेब में रख लिया। उन्होंने आनंद जी से कहा, "सर, कल सुबह की चाय हम साथ पिएंगे।"

अगले सुधारों की पुख्ता तैयारी

विकसित भारत बनने के भारत के संकल्प के लिए एक ऐसी अर्थव्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें हर स्तर और आकार के उद्यम फल-फूल सकें, चाहे उनकी शुरुआत कहीं से भी हुई हो। पिछले बारह वर्षों में हमारी सरकार ने इन अनुकूल परिस्थितियों के निर्माण के लिए निरंतर कार्य किया है। वर्ष 2017 में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू होने से अप्रत्यक्ष कराधान के लिए एक साझा राष्ट्रीय ढांचा स्थापित हुआ। नेक्स्ट-जेनरेशन का जीएसटी नौ वर्षों के क्रियान्वयन तथा करदाताओं और राज्यों के अनुभवों के आधार पर इसी प्रयास को आगे बढ़ाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी की परिकल्पना दो परस्पर जुड़े उद्देश्यों के साथ की गई थीः कर दरों को कम एवं तर्कसंगत बनाना और अनुपालन को अधिक सरल बनाना। दरों में किए गए संशोधन 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी हुए। प्रक्रियात्मक सुधारों का अगला चरण शीघ्र ही जीएसटी परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सम्मिलित रूप से, इन प्रयासों का उद्देश्य परिवारों को राहत देना, व्यवसायों को अधिक निश्चितता प्रदान करना और करदाताओं के लिए एक ऐसी प्रणाली सुनिश्चित करना है जिसमें वे बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। राज्य इस पूरी यात्रा में बराबर के साझेदार रहे हैं। वे परिषद में अपनी प्राथमिकताओं और अनुभवों को लेकर आए, निर्णयों को आकार देने में सहयोग किया और उनके क्रियान्वयन का दायित्व संभाला।

जीएसटी की प्रगति प्रत्येक सरकार के उत्तरदायित्वों का सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इसी तत्परता पर टिकी है। इसके परिणाम विश्वास को सुदृढ़ करते हैं। अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच दर्ज की गई कर-योग्य आपूर्ति के मूल्य में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कर दरों की हल्की संरचना के साथ-साथ दर्ज आर्थिक गतिविधियों में भी व्यापक विस्तार देखा गया है। यह उस सुधार के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक आधार है जिसका उद्देश्य उद्यमों और सार्वजनिक वित्त, दोनों को संबल प्रदान करना है। यह सुदृढ़ता हालिया राजस्व आंकड़ों में स्पष्ट दिखाई देती है। अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 12.46 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 11.6 प्रतिशत अधिक है। जून से सितंबर तक के प्रत्येक महीने में वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई। इन चार महीनों का कुल संग्रह मिलकर लगभग 15 प्रतिशत की गति से बढ़ा। कर वापसी (रिफंड) के बाद शुद्ध संग्रह में भी इस छमाही के दौरान 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार करदाताओं को दी गई राहत और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों में वृद्धि साथ-साथ हुई है। इस विस्तार का दायरा उसके पैमाने जितना ही महत्वपूर्ण है। सभी 11 क्षेत्रक समूहों और सभी प्रमुख राज्यों में दर्ज कर-योग्य आपूर्ति में वृद्धि देखी गई। भारत जैसी विविध अर्थव्यवस्था में यह व्यापक प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक हिस्सों में होने वाली यह वृद्धि अधिक से अधिक व्यवसायों को विस्तार लेते बाजारों में भाग लेने का अवसर देती है और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न मांग, निवेश तथा रोजगार से अधिकाधिक समुदायों को लाभान्वित करती है। जब कर राहत का प्रभाव कीमतों में दिखाई देता है, तो परिवारों के पास अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने या बचत करने के लिए अधिक गुंजाइश होती है। उपभोक्ता राहत और उद्यम विकास आपस में गहराई से जुड़े हैं। परिवारों की क्रय शक्ति व्यवसायों द्वारा दी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की मांग को बनाए रखती है। इसका लाभ परिवार से लेकर खुदरा विक्रेता, आपूर्तिकर्ता और उत्पादक तक पहुंचता है। इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है। इस व्यवस्था में सहभागिता अत्यंत व्यापक रही है।

अगस्त के अंत तक केंद्र और राज्य क्षेत्राधिकारों के अंतर्गत कुल जीएसटी पंजीकरण लगभग 1.71 करोड़ तक पहुंच गए, जो एक वर्ष पहले की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक हैं। इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आइटीसी की कार्यप्रणाली इस अनुभव का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुधार-उपरांत आंकड़े दर्शाते हैं कि इनपुट टैक्स क्रेडिट के माध्यम से चुकाई गई कर देयता का अनुपात बढ़ा है, जबकि कर-योग्य आपूर्ति के सापेक्ष संचित क्रेडिट में कमी आई है। यह उन व्यवसायों के लिए उत्साहवर्धक है जो पात्र क्रेडिट के प्रभावी उपयोग पर निर्भर करते हैं।

किसी छोटे उद्यम के लिए उसकी कार्यशील पूंजी ही यह तय करती है कि वह कितनी सुगमता से कच्चा माल खरीद सकता है, कोई आर्डर पूरा कर सकता है और अगला काम हाथ में ले सकता है। कर वापसी (रिफंड) भी उतनी ही प्रासंगिक है। अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपये की धनराशि रिफंड के रूप में लौटाई गई। राज्यों की राजस्व स्थिति भी अधिक सुदृढ़ हुई है। इस वर्ष अप्रैल-सितंबर के दौरान एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आइजीएसटी) निपटान में उनके हिस्से सहित राज्यों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सात अक्टूबर को जीएसटी परिषद के समक्ष रखे जाने वाले प्रस्ताव राज्यों के साथ निरंतर विचार-विमर्श और समन्वय से तैयार किए गए हैं। ये प्रस्ताव अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करने के उद्देश्य से पंजीकरण, रिटर्न, रिफंड, विवादों के निपटारे और इनपुट टैक्स क्रेडिट के सुगम प्रवाह से जुड़े हैं। करदाताओं का अनुभव ही इसके क्रियान्वयन का मुख्य मार्गदर्शक बना रहना चाहिए। जीएसटी की परिपक्वता के दायरे का विस्तार हमें सुधारों के अगले चरण के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करता है। स्पष्टता, निश्चितता और करदाता के प्रति सम्मान की यही प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष करों से जुड़े हमारे कार्य को भी दिशा देती है। एक भरोसेमंद कर प्रणाली उद्यमों को अपने तात्कालिक दायित्वों से आगे बढ़कर योजना बनाने तथा ऐसे अवसरों में निवेश करने में सक्षम बनाती है जिनके फलने-फूलने में समय लगता है। वे चाहे कहीं भी कार्य कर रहे हों, उन्हें यह भरोसा दिलाना प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना के अनुरूप एक 'विकसित भारत' की आर्थिक शक्ति के निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

सिंगल विंडो क्लीयरेंस और रोप-वे सेफ्टी पर दिया जोर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, कला-संस्कृति और पुरातत्व विभाग की व्यापक समीक्षा की

संचार जगत

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को पर्यटन भवन, जयपुर में विभाग की विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ओंकार सिंह लखावत, पर्यटन विभाग शासन सचिव श्रीमती शुचि त्यागी, पर्यटन आयुक्त श्रीमती रुक्मणी रियाड़ सहित पुरातत्व, कला-संस्कृति और RTDC के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के जरिए विभागीय योजनाओं, महाराणा प्रताप सर्किट, आमेर मास्टर प्लान सहित विभिन्न प्रमुख परियोजनाओं, आगामी कार्य योजनाओं एवं बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की वित्तीय प्रगति और स्टेटस से अवगत कराया। बैठक में पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, विरासत संरक्षण, पर्यटन अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, डिजिटल पर्यटन



पहलों, पर्यटन प्रचार-प्रसार एवं मीडिया अभियानों, आरटीडीसी परिसंपत्तियों के पुनरोद्धार तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में उपमुख्यमंत्री द्वारा बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने सिंगल विंडो क्लीयरेंस पर निर्देश दिए कि पर्यटन निवेश को सुगम बनाने के लिए एक ही प्लेटफॉर्म पर समयबद्ध अनुमतियां मिलें, व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाए। साथ ही प्रदेश के सभी धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर संचालित रोप-वे में पर्यटक सुरक्षा सुनिश्चित हो।

समीक्षा के मुख्य बिंदु:

1.आमेर मास्टर प्लानः केसर क्यारी से दिलाराम बाग तक समग्र विकास, दुकानों, रिसेप्शन, पार्किंग, बेंच और कोबल स्टोन पाथवे के संरक्षण-जीर्णोद्धार पर चर्चा की गई। 2. परियों के बागः सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा, पर्यटकों की सुविधा के लिए गोल्फ कार्ट संचालन पर चर्चा। 3. एडवेंचर टूरिज्म पॉलिसीः नई पॉलिसी का प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार, अन्य राज्यों की नीतियों का तुलनात्मक अध्ययन और इन्वेंट्री तैयार, हितधारकों व जिला कलेक्टरों से फीडबैक जारी। 4.निर्माण और जीर्णोद्धारः- बीकानेर अभिलेखागार में पब्लिक गैलरी, रवीन्द्र रंगमंच, JKK शिल्पग्राम पुनर्निर्माण तथा विरासत म्यूजियम के सम्बन्ध में चर्चा की गई। 5.OBMS पोर्टलः DoIT द्वारा तैयार पोर्टल का विस्तृत प्रस्तुतीकरण। 06. डोमेस्टिक रोड-शोः FICCI व FHTR के सहयोग से GITB विस्तार - देश के प्रमुख शहरों में रोड शो किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की।

मीडिया से बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बजट की सभी घोषणाओं पर तेजी से काम हो रहा है, कई प्रोजेक्ट तैयार हैं जिनका जल्द उद्घाटन होगा। 3 दिन की छुट्टियों में पर्यटन स्थलों पर उमड़ी भीड़ से अच्छे सीजन के संकेत मिले हैं, विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। वैश्विक Geopolitical स्थिति और बढ़े हुए एयर फेयर के बावजूद पर्यटक आ रहे हैं, सरकार ने सेफ्टी, सफाई और सुविधाओं में सुधार किया है, उम्मीद है इस बार पिछले साल से ज्यादा टूरिस्ट आएंगे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव ने किया राजस्थान संपर्क कॉल सेंटर का निरीक्षण

संपर्क एआई से जन शिकायतों का विश्लेषण और समाधान होगा आसान — प्रमुख शासन सचिव ,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

संचार जगत

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने सोमवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वीडियो एवं ऑडियो कॉल के माध्यम से परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सवाई माधोपुर निवासी नरेश ने वीडियो कॉल के माध्यम से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (एमएए) में जनाधार एवं अन्य दस्तावेजों से संबंधित समस्या बताई। प्रमुख शासन सचिव ने जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रकरण का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जयपुर निवासी यश ने सांगानेरी महिला चिकित्सालय में स्टाफ द्वारा अभद्र व्यवहार की शिकायत की।

इस पर उन्होंने प्रकरण की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी



प्रकार धनराज एवं ताराचंद ने आशा सहयोगिनी से संबंधित शिकायतें तथा गंगापुर सिटी निवासी सूरज ने राजकीय अस्पताल में चिकित्सकों के समय पर उपलब्ध नहीं होने की शिकायत की।

श्रीमती राठौड़ ने सभी प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा संस्थानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने राजस्थान संपर्क द्वारा शुरू की गई संपर्क एआई पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे दर्ज परिवेदनाओं का विषयवार एवं प्रभावी विश्लेषण किया जा सकेगा। विभाग को परिवेदनाओं से संबंधित डाटा और विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध होने से समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के लिए समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

एशियन गेम्स में चमका राजस्थान, धर्मवीर चौधरी की उपलब्धि पर दिया कुमारी ने किया अभिनंदन



संचार जगत

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज एशियन गेम्स 2026 की 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम के प्रतिभाशाली धावक एवं राजस्थान के टोंक निवासी धर्मवीर चौधरी से आत्मीय भेंट की। उन्होंने धर्मवीर को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मवीर चौधरी की मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने राजस्थान सहित पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने धर्मवीर के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा और उपलब्धियों से राजस्थान का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार रोशन हो रहा है।

विधान सभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने श्री पाटनी के निधन पर अर्पित की श्रद्धांजलि

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने सोमवार को किशनगढ़ पहुँच कर कंवर लाल पाटनी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। देवनानी ने आर.के. मार्बल ग्रुप के चेयरमैन एवं स्व. पाटनी के पुत्र अशोक पाटनी सहित शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएँ व्यक्त कीं तथा दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। स्पीकर देवनानी से उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री महाना की शिष्टाचार भेंट।

पत्रकार कॉलोनी का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री के उप सचिव और एसीपी से मिला

बढ़ते अपराधो पर अंकुश लगाने की मांग

संचार जगत

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी क्षेत्र विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मानसरोवर कैंप ऑफिस मे मुख्य मंत्री के उप सचिव मनोज कुमार से मुलाकात की और कॉलोनी बढ़ते अपराध और चोरी की घटनाओ पर अंकुश लगाने की मांग की। समिति का प्रतिनिधिमंडल सहायक पुलिस आयुक्त हेमेंद्र शर्मा से भी मिला और उनको भी बढ़ते अपराधो की जानकारी दी। दोनों ही अधिकारियों ने पत्रकार कॉलोनी थाने के प्रभारी को फोन करके पुलिस गश्त मजबूत करने और संदिग्ध लोगो पर नजर रखने की हिदायत दी।\

समिति अध्यक्ष नरेंद्र सर्वोदयी एवं् महा सचिव सतगुरु शरण गुप्ता ने कहा कि लोगों का पुलिस से भरोसा टूट रहा है और वे अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पांच दिन पहले भी चार बदमाश एक मजदूर को चाकू दिखाकर रोड रोलर की बेट्री निकाल ले गए। प्रतिनिधि मंडल मे अध्यक्ष नरेंद्र सर्वोदयी, महा सचिव सतगुरु शरण गुप्ता, पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर उम्मेद सिंह राजावत, बीएस गुप्ता एवं् राम बाबू गुप्ता भी साथ थे। उधर पुलिस ने बताया है की पत्रकार कॉलोनी से चोरी गई क्रेटा कार बरामद कर ली गई है। इसके लिए भी समिति ने पुलिस को धन्यवाद दिया है।

राजस्थानी रंग में रंगा अग्र सप्ताह, बालिकाओं और महिलाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

गीत, नृत्य और लोक संस्कृति की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

संचार जगत

कोटा। अग्रवाल वैष्णव मोमीयान पंचायत महिला मंडल की ओर से आयोजित अग्र सप्ताह के तहत सोमवार को बालिकाओं एवं महिलाओं ने राजस्थानी थीम पर आधारित गीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर राजस्थानी लोक संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। महिला मंडल अध्यक्ष शिखा मित्तल एवं सचिव सुनीता गोयल ने बताया कि प्रतिभागियों ने पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में लोकगीतों एवं नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। घूमर सहित विभिन्न राजस्थानी लोकनृत्यों ने



कार्यक्रम में रंग जमा दिया और उपस्थित महिलाओं ने तालियों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। संरक्षिका सावित्री गुप्ता ने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं का उत्साह देखते ही बना। सचिव सुनीता गोयल ने बताया कि इस पर डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें बच्चों की डांस प्रतियोगिता में प्रथम आश्वी अग्रवाल, द्वितीय आरव बंसल तथा सीनियर डांस प्रतियोगिता में प्रथम ऐश्वर्या गोयल, द्वितीय विनीता गर्ग रहे। विजेताओं को पुरस्कार देखकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश के स्कूलों तक पहुंचा 'ईट राइट' का संदेश

संचार जगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में बच्चों और युवाओं को सुरक्षित, पौष्टिक एवं संतुलित भोजन के प्रति जागरूक करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा 'ईट राइट इनिशिएटिव' के तहत प्रदेशभर में विशेष जागरूकता 3 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक अभियान चलाया जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त श्री अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में अभियान के तहत 3 एवं 5 अक्टूबर को 270 से अधिक स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ खान-पान के बारे में जानकारी दी गई। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने विद्यार्थियों को सरल भाषा में बताया कि क्या खाना चाहिए और किन खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। साथ ही खाद्य मिलावट की पहचान, संतुलित आहार, साफ-सफाई और सुरक्षित भोजन के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। अभियान में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब का भी उपयोग किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने जनाना चिकित्सालय का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं का लिया जायजा

संचार जगत

जयपुर/भरतपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजकीय जनाना चिकित्सालय, भरतपुर का सोमवार को निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने एनआईसीयू, पीआईसीयू, गायनी वार्ड एवं पीओडब्ल्यू वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य, उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, उपकरणों तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकीय सेवाओं, साफ-सफाई और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सकों को मरीजों और प्रसूताओं को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, अस्पताल में साफ-सफाई बनाए रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारू रखने के निर्देश दिए। साथ ही सभी संबंधित विभागों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य सचिव ने अस्पताल की व्यवस्थाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की सराहना की। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ कर मरीजों, प्रसूताओं एवं नवजात शिशुओं को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं, प्रसुताओं को बेहत्तर इलाज के साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनओं को लाभ पारदर्शिता से मौके पर प्रदान किया जाये। आरबीएम व जनाना अस्पताल के अधीक्षक डॉ. नगेन्द्र भदौरिया ने अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नीकू-पीकू वार्ड में नवजात शिशुओं की देखभाल के प्रबन्ध, मदर मिल्क बैंक एवं निशुल्क जांच व निशुल्क दवा योजना के संबन्ध में किए जा रहे प्रबन्धों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला कलक्टर कमर चौधरी, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विवेक भारद्वाज, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राहुल सैनी, चिकित्सा अधीक्षक जनाना अस्पताल अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शेरसिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गौरव कपूर सहित अस्पताल के चिकित्सक उपस्थित रहे।



PHED अकेलगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर जिला इंटक ने सौंपा पांच सूत्रीय ज्ञापन

संचार जगत

कोटा। आज दिनांक 5 अक्टूबर 2026 को यूथ इंटक जिला अध्यक्ष श्री आशीष कुमार वैष्णव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला इंटक कोटा के जिला अध्यक्ष श्री हेमंत कुमार दाधीच के नेतृत्व में PHED विभाग, कोटा के अधिकारियों अधिशासी अभियंता जीवनधर राठौर व सहायक अभियंता विमल नागर PHED अकेलगढ़ वं संबंधित G.C.K.C. प्रोजेक्ट एंड वर्क प्रा. लि., जयपुर के समक्ष कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर पांच सूत्रीय ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन के माध्यम से PHED अकेलगढ़ एवं G.C.K.C. प्रा. लि. के अधीन कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई।

जिसमें मुख्य मांगें कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक माह 7 तारीख से पूर्व दिया जाए। कर्मचारियों का अब तक का बकाया वेतन शीघ्र



दिलवाया जाए। सभी कर्मचारियों के ESI कार्ड बनवाए जाएं। श्रम कानूनों के प्रावधानों के अनुसार कर्मचारियों को प्रत्येक वर्ष वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाए। सभी कर्मचारियों के पहचान-पत्र (I-Card) बनवाए जाएं। का ज्ञापन दिया इस दौरान जिला इंटक जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार दाधीच की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से वार्ता की गई। अधिशासी अभियंता जीवनधर राठौर ने जिला इंटक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की वेतन संबंधी समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा तथा एक-दो दिन के अंतराल में कर्मचारियों का वेतन जारी होने की संभावना है। साथ ही कर्मचारियों के ESI कार्ड बनवाने की कार्रवाई भी जल्द की जाएगी। जिला अध्यक्ष हेमंत कुमार दाधीच इंटक कोटा ने कहा कि कर्मचारियों के हितों से जुड़े इन मुद्दों पर संगठन लगातार प्रयासरत रहेगा और यदि समस्याओं का समयबद्ध निराकरण नहीं हुआ तो संगठन कर्मचारियों के हित में आगामी कदम उठाएगा। ज्ञापन के लिए वहां उपस्थित उपस्थित श्री आशीष कुमार वैष्णव यूथ इंटक जिला अध्यक्ष विष्णु शर्मा,विक्रम सिंह,लाखन मीणा आदि उपस्थित थे

कंवरलाल पाटनी के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

संचार जगत

जयपुर। प्रसिद्ध उद्योगपति, भामाशाह एवं समाजसेवी श्री कंवरलाल पाटनी के निधन पर सोमवार को किशनगढ़ स्थित आर.के. मार्बल कम्युनिटी सेंटर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने सभा में पहुंचकर दिवंगत कंवरलाल पाटनी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा पाटनी परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की। श्री देवनानी ने कहा कि कंवरलाल पाटनी ने अपने संस्कारों और सेवाभावी कार्यों से परिवार के साथ-साथ समाज को भी समृद्ध किया। समाजसेवा, उद्योग एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके निधन से अजमेर जिले ने एक उदार, संवेदनशील एवं समाजहित के प्रति समर्पित व्यक्तित्व खो दिया है। उन्होंने श्री पाटनी के सामाजिक एवं औद्योगिक योगदान को याद किया। उनके निधन को किशनगढ़ के सामाजिक एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

यातायात के सुगम प्रबंधन के लिये ठोस रोडमैप करें तैयार - मुख्य सचिव

संचार जगत

जयपुर/भरतपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने कहा कि राज्य के एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए विभागीय प्रयासों में निरंतरता, बेहतर समन्वय और परिणाम आधारित मॉनिटरिंग के साथ जन जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण केवल विभागीय दायित्व नहीं है बल्कि सभी संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों एवं आमजन के समन्वित प्रयासों से ही इसके स्थायी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। मुख्य सचिव भरतपुर, अलवर, डीग, खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण कार्यों की सोमवार को भरतपुर कलक्ट्रेट में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धूल, वाहन एवं औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण गतिविधियों तथा नियमित कचरे से होने वाले प्रदूषण के प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े प्रयासों का प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों की अनुपालना तथा सड़क की धूल, वाहन एवं औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण गतिविधियों, ठोस कचरा प्रबंधन, हरित क्षेत्र विकास एवं वायु गुणवत्ता निगरानी के द्वारा सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने एनसीआर क्षेत्र स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के लिए रीको अधिकारियों एवं पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों व कस्बों में यातायात प्रबंधन के लिए कलक्टर पुलिस अधीक्षक एवं ट्रैफिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर ठोस रोडमैप तैयार करें। प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक डिजाइन तैयार किया जाए, जिससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी के साथ आमजन को भी राहत मिल सके। उन्होंने मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीनों के संचालन की जीपीएस आधारित नियमित मॉनिटरिंग तथा शहरी क्षेत्रों में

विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत केन्द्रीय भंडार गृह, चोमू में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संचार जगत

जयपुर। केन्द्रीय भंडारण निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर के मार्गदर्शन में विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत केन्द्रीय भंडार गृह, चोमू द्वारा दिनांक 05.10.2026 को विशेष स्वास्थ्य जागरूकता एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य केन्द्रीय भंडार गृह में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों, श्रमिकों, हितधारकों, जमाकर्ताओं तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व



को रेखांकित करना था। शिविर के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली एवं कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित स्टाफ, श्रमिकों एवं अन्य हितधारकों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। केन्द्रीय भंडार गृह, चोमू द्वारा आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर विशेष अभियान 6.0 के उद्देश्यों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने की दिशा में एक विशेष एवं सराहनीय प्रयास रहा। इस पहल के माध्यम से न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया, बल्कि एक स्वस्थ, स्वच्छ, सुरक्षित एवं जागरूक कार्यस्थल के निर्माण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित हुई। केन्द्रीय भंडारण निगम द्वारा समय-समय पर अपने कर्मचारियों एवं उससे जुड़े विभिन्न हितधारकों के कल्याण हेतु इस प्रकार की जागरूकता एवं जनहितकारी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता रहा है। विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत केन्द्रीय भंडार गृह, चोमू की यह पहल इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

नगरीय निकायों के प्रमुख-उपप्रमुखों से संवाद

जन आकांक्षाओं पर खरा उतरें, शहरों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए समर्पित होकर करें कार्य : मुख्यमंत्री

संचार जगत

जयपुर, 05 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नगरीय निकायों के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति और अध्यक्षों के साथ शहरों के विकास और व्यवस्थाओं को लेकर 100 दिवसों के रोडमैप पर संवाद किया। इस दौरान उन्होंने दीपावली से पहले शहरों की सफाई, सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज, नालियों, रंग-रोगन एवं सौन्दर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नगरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में शहरों का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित किया जाए। सफाई, कचरा संग्रहण एवं निस्तारण, सड़क, जलभराव, स्ट्रीट लाइट, सौंदर्यकरण, पार्कों के रखरखाव, आवारा पशुओं की समस्या, अतिक्रमण, सीवरेज व्यवस्था सहित अन्य जनसमस्याओं पर विशेष ध्यान देते हुए स्थानीय स्तर पर इनका त्वरित समाधान करें और 100 दिन में राजस्थान के शहरों की सूरत बदलें।



नगरीय निकायों में पद नहीं, बल्कि जनसेवा का मिशन- उन्होंने निकाय प्रमुखों को अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों की गुणवत्ता जांचने तथा उनका समयबद्ध क्रियान्वयन करने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि विकास केवल योजनाएं बनाने तक ही सीमित न रहे बल्कि उसका लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। नगरीय निकायों में प्रतिनिधित्व एक पद नहीं बल्कि जनसेवा का मिशन है। जनप्रतिनिधियों को जनता की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित निकाय प्रमुखों को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरना है। ये तभी संभव है जब वे पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ सुनियोजित शहरी विकास के लिए काम करें। जनता ने विकास के लिए शहरी सरकारें बनाई हैं, इसलिए जनता को परिवर्तन का अहसास होना ही चाहिए। नगरीय प्रमुख अपने-अपने क्षेत्रों में योजनाओं और कार्यों की ऐसी आधारशिला रखें, जिससे शहरी विकास के नए आयाम स्थापित हो। कुशल वित्त प्रबंधन करें, निकाय की आय बढ़ाएं- उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय ना केवल जनता तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाते हैं बल्कि शहरों की दिशा और दशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री ने निकायों के कुशल वित्त प्रबंधन पर विशेष निर्देश देते हुए कहा कि नगरीय निकाय अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें और आय बढ़ाएं। साथ ही, निकाय प्रमुख पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएं। मुख्यमंत्री ने पार्षदों से वार्ड की सीमाओं से ऊपर उठकर पूरे शहर के विकास की सामूहिक सोच के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सड़क, सीवरेज और अन्य सुविधाओं की प्लानिंग वार्डवार नहीं बल्कि पूरे शहर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

उन्होंने निकायों के लिए चरणबद्ध विकास योजना की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शहरों को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए उठाए दूरगामी कदम— मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने शहरों को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन सहित अन्य दूरगामी कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से शहरी विकास को तकनीक और नागरिक सुविधा के साथ जोड़ते हुए एक आदर्श नगर विकास का मॉडल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों के लोगों को अकुशल श्रमिक के रूप में 125 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाकर आर्थिक संबल दे रही है। वहीं, 188 नगरीय निकायों में एफएसटीपी की स्थापना और निशुल्क डीस्लजिंग सेवा उपलब्ध करवा रही है। शहरों के सुनियोजित विकास के लिए विकसित वार्ड अभियान संचालित किया है।

हमारा उद्देश्य प्रदेश के शहरों में बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराते हुए उन्हें विश्वस्तरीय बनाना है और इसके लिए राज्य सरकार नगरीय निकायों को पूर्ण रूप से सहयोग करेगी। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, नगर निगमों के महापौर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी भर्ती परीक्षा

परीक्षा दिनांक से तीन दिन पूर्व अपलोड होंगे प्रवेश-पत्र

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा- 2025 एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी प्रतियोगी परीक्षा - 2026 का आयोजन 13 से 16 अक्टूबर 2026 तक प्रातः 10 से दोपहर 12.30 बजे तक एवं दोपहर 3 से सांय 5.30 बजे तक किया जा रहा है। उक्त परीक्षाओं में ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। अभ्यर्थी उक्त परीक्षाओं हेतु आवंटित परीक्षा जिला की जानकारी परीक्षा दिनांक से 7 दिवस पूर्व एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर प्राप्त कर सकेंगे। प्रवेश पत्र परीक्षा दिनांक से 3 दिवस पूर्व आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। अतः अभ्यर्थी समयांतर्गत प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेवें। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को प्रत्येक परीक्षा सत्र में परीक्षा प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके पश्चात् किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अतः अभ्यर्थी परीक्षा दिवस को परीक्षा प्रारंभ होने से नियत समय पूर्व परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए उपस्थित हों ताकि सुरक्षा जांच एवं पहचान का कार्य समय पर पूर्ण हो सके। अभ्यर्थियों को पहचान हेतु परीक्षा केंद्र पर अद्यतन/ नवीनतम मूल रंगीन आधार कार्ड लेकर उपस्थित होना होगा। यदि मूल आधार कार्ड पर फोटो पुरानी अथवा अस्पष्ट है तो अन्य मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र यथा मतदाता पहचान-पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस जिसमें रंगीन एवं नवीनतम स्पष्ट फोटो हो, लेकर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होवें। इसके साथ ही अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र पर भी नवीनतम रंगीन फोटो ही चस्पा करना सुनिश्चित करें। स्पष्ट मूल फोटो युक्त पहचान-पत्र के अभाव में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र के साथ जारी आवश्यक अनुदेशों का अवलोकन अवश्य कर लेवें। आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी किसी दलाल, मीडिएटर, समाजकंटक या अपराधी के बहकावे में न आएं। यदि कोई परीक्षा में पास कराने के नाम पर रिश्वत की मांग या अन्य कोई प्रलोभन व झांसा देता है तो प्रमाण सहित इस संबंध में जांच एजेंसी एवं आयोग कंट्रोल रूम नंबर 0145-2635200, 2635212 एवं 2635255 पर सूचित करें। परीक्षा में अनुचित साधन अपनाये जाने एवं अनुचित कृत्यों में संलिप्त होने पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022 के तहत आजीवन कारावास, 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने से दण्डित एवं चल अचल संपत्ति कुर्क कर जब्त की जा सकती है।

पंचायती राज आम चुनाव के लिए विभिन्न प्रकोष्ठ गठित

संचार जगत

जयपुर। पंचायती राज आम चुनाव को सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) द्वारा विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। प्रकोष्ठ प्रभारियों को दिए गए दायित्वों का निर्धारित समयावधि में पूर्णनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश प्रदान किए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के लिए विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन कर उनके प्रभारी अधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं। इसके तहत जिला निर्वाचन शाखा, चुनाव संचालन एवं मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ एवं रिटर्निंग अधिकारी प्रकोष्ठ का प्रभारी मेघराज सिंह मीना (अतिरिक्त जिला कलक्टर-द्वितीय एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी) कार्मिक, मतदान दल गठन, मतगणना दल गठन प्रकोष्ठ तथा निर्देश पुस्तिका प्रकाशन एवं जिला चुनाव संचालन पुस्तिका प्रकोष्ठ का प्रभारी राजीव द्विवेदी (अतिरिक्त जिला कलक्टर-प्रथम), मतदान दलों हेतु पहचान पत्र एवं मतगणना हेतु प्रवेश पत्र जारी करने के प्रकोष्ठ, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, चुनाव भण्डार प्रकोष्ठ एवं इवेन्ट मैनेजमेंट प्रकोष्ठ की प्रभारी देवयानी (अतिरिक्त जिला कलक्टर-तृतीय), पर्यवेक्षक प्रकोष्ठ एवं चुनाव व्यय जांच प्रकोष्ठ की प्रभारी सरिता शर्मा (उप महानिरीक्षक, पंजीयन एवं मुद्रांक,), आचार संहिता एवं नियंत्रण कक्ष प्रकोष्ठ तथा डाक मतपत्र प्रकोष्ठ का प्रभारी नरेन्द्र कुमार वर्मा (अतिरिक्त जिला कलक्टर- पूर्व), परिवहन व्यवस्था प्रकोष्ठ तथा क्षेत्रीय दण्डनायकों एवं सेक्टर ऑफिसर्स की नियुक्ति, क्षेत्र निर्धारण, कानून व्यवस्था, पुलिस डिप्लॉयमेंट एवं क्रिटिकल मतदान केन्द्र निर्धारण प्रकोष्ठ का प्रभारी युगान्तर शर्मा (अतिरिक्त जिला कलक्टर-जयपुर दक्षिण), ईवीएम मतपेटी व्यवस्था प्रकोष्ठ, रूटचार्ट एवं नक्शा प्रकोष्ठ तथा मतदान दल डिस्पैच सेन्टर एवं ईवीएम/ मतपेटी संग्रहण एवं मतगणना स्थल व्यवस्था प्रकोष्ठ का प्रभारी आशीष कुमार (अतिरिक्त जिला कलेक्टर-चतुर्थ), डीजल पेट्रोल प्रकोष्ठ एवं भोजन एवं रसद व्यवस्था प्रकोष्ठ का प्रभारी प्रियव्रत सिंह चारण (जिला रसद अधिकारी द्वितीय), मतपत्र व्यवस्था प्रकोष्ठ का प्रभारी सौरभ पालीवाल (कोषाधिकारी), भुगतान एवं लेखा प्रकोष्ठ का प्रभारी मयंक शुक्ला (कोषाधिकारी, ई-कोषालय, वित्त भवन), सांख्यिकी प्रकोष्ठ एवं चिन्हित मतदाता सूची प्रकोष्ठ का प्रभारी बाबूलाल मीणा (संयुक्त निदेशक - आर्थिक एवं सांख्यिकी), मतदान केन्द्रों पर व्यवस्था, दिव्यांग एवं स्वीप प्रकोष्ठ का प्रभारी राजेन्द्र सिंह (अतिरिक्त जिला कलक्टर-जयपुर उत्तर), मीडिया एवं सोशल मीडिया वॉच प्रकोष्ठ का प्रभारी हेमन्त सिंह (उपनिदेशक सूचना एवं जनसंपर्क) तथा कम्प्यूटरीकरण प्रकोष्ठ का प्रभारी जितेन्द्र शर्मा (जिला सूचना अधिकारी एन.आई.सी कलेक्ट्रेट) को बनाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन कार्यों को समयबद्ध रूप से सम्पन्न करने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

झालाना जंगल में लेपर्ड फ्लोरा- तीन शावक ट्रैक पर साथ दिखे

संचार जगत

जयपुर। जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व में टूरिस्ट को सफारी के दौरान सोमवार को एक साथ चार लेपर्ड दिखाई दिए। मादा लेपर्ड फ्लोरा और उसके तीन शावक सफारी ट्रैक पर एक साथ चलते हुए दिखे। चारों लेपर्ड कुछ देर बाद जिप्सी के सामने से गुजरते हुए जंगल की ओर चले गए। सफारी पर मौजूद पर्यटकों ने इस पूरे नजारे को कैमरे में कैद कर लिया।

दरअसल, झालाना जंगल में लेपर्ड फ्लोरा अपने तीनों शावकों के साथ सफारी ट्रैक पर आगे बढ़ रही थी। चारों कुछ दूरी तक एक साथ चलते हैं। इस दौरान वे सफारी जिप्सी के करीब से गुजरते हुए नजर आए। जिप्सी में बैठे पर्यटक इस नजारे को देखकर रोमांचित हो गए और उन्होंने तुरंत अपने मोबाइल कैमरों से वीडियो रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया। कुछ देर तक लेपर्ड परिवार ट्रैक पर दिखाई देता रहा। इसके बाद चारों धीरे-धीरे जंगल की ओर बढ़ गए।

बता दें कि झालाना लेपर्ड रिजर्व जयपुर शहर के बीच स्थित प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों में शामिल है। यहां सफारी के दौरान लेपर्ड सहित कई तरह के वन्यजीव देखने का मौका पर्यटकों को मिलता है।

खासतौर पर लेपर्ड की अच्छी मौजूदगी के कारण झालाना देश-विदेश के वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। नए पर्यटन सीजन में फ्लोरा और उसके तीन शावकों का एक साथ दिखाई देना सफारी पर आने वाले पर्यटकों के लिए यादगार नजारा बन गया। झालाना लेपर्ड रिजर्व में फ्लोरा फेमस है।

राजलक्ष्मी बैंक घोटाला: 8 साल से फरार पति-पत्नी गिरफ्तार, दोनों पर 10-10 हजार का इनाम

फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों का लोन उठाने का आरोप, ठिकाने बदलकर पुलिस को दे रहे थे चकमा



संचार जगत

जयपुर। राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले में माणक चौक थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 साल से फरार चल रहे पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी प्रकाश भारद्वाज (54) और उसकी पत्नी निशा भारद्वाज (48) हैं। दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार वर्ष 2018 में बैंक घोटाले को लेकर मामला दर्ज हुआ था। आरोप है कि बैंक अधिकारियों, ऋणियों, गारंटरों, वैल्यूअर्स और अन्य लोगों ने मिलीभगत कर फर्जी संपत्तियों और दस्तावेजों के आधार पर 13 ऋण खाते स्वीकृत करवाए और करोड़ों रुपए की राशि हड़प ली। मामले में IPC की धारा 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत केस दर्ज किया गया था। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए माणक चौक थाना प्रभारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी सूचना और मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों के संभावित ठिकानों पर निगरानी रखी। आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे, लेकिन पुलिस ने सटीक सूचना मिलने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की गिरफ्तारी में कांस्टेबल कैलाशचंद (10756) की अहम भूमिका रही। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर घोटाले से जुड़े अन्य पहलुओं और फरार आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

13साल बाद पत्नी की हत्या के आरोप से पति बरी

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में 13 साल से सजा भुगत रहे पति को दोषमुक्त करते हुए उसकी आजीवन कारावास की सजा रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा कि अगर आरोपी किसी ओर मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। यह आदेश जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने आरोपी रामभरोस साहनी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। कोर्ट ने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की ऐसी पूरी श्रृंखला स्थापित करने में विफल रहा। इससे केवल और केवल आरोपी के ही दोषी होने का निष्कर्ष निकलता हो। अदालत ने यह भी माना कि घटना के बाद आरोपी का कुछ समय के लिए मौके से अनुपस्थित रहना, अन्य पुख्ता सबूतों के अभाव में अकेले दोषसिद्धि का आधार नहीं बन सकता। इन तमाम बिंदुओं के आधार पर हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के 26 अप्रैल 2017 के आजीवन कारावास के आदेश को रद्द कर दिया।

रंगायन सभागार में गूंजे रविंद्र जैन और राजेश रोशन के सदाबहार नगमे, पुरानी यादों में खोए श्रोता

संचार जगत

जयपुर। जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में रविवार को स्वर साधना संस्थान की ओर से आयोजित संगीत संध्या 'सुन साहिबा सुन' में सदाबहार गीतों की सुरमयी शाम सजी। रविंद्र जैन और राजेश रोशन के संगीत से जुड़े लोकप्रिय नगमों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को पुरानी मधुर यादों में पहुंचा दिया। कार्यक्रम में कलाकारों ने 'सुन साहिबा सुन,



कहो ना प्यार है', 'अंखियों के झरोखे से' और 'एक डाल पर तोता बोले' जैसे लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। मधुर सुरों और सधी हुई गायकी पर दर्शक भी झूमते नजर आए। हर प्रस्तुति के बाद सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। संस्था के संस्थापक नरेंद्र सिंह मेहता ने 'तू जो मेरे सुर में सुर मिलाये' गीत प्रस्तुत कर संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। वहीं बाल कलाकार यशिता और काशी कुमावत की प्रस्तुतियों को भी दर्शकों की खूब सराहना मिली। कार्यक्रम में कैलाश सोलंकी, धर्मेंद्र उपाध्याय, जेपी रामावत, समीर सैन और नीलिमा कुमावत सहित अन्य कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। सदाबहार गीतों, सुरीली आवाजों और कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने 'सुन साहिबा सुन' की शाम को संगीत प्रेमियों के लिए यादगार बना दिया।

राजस्थान पुलिस की ऐतिहासिक पहल, हाइटेक होगी बीट पुलिसिंग

बीट पुलिसिंग को और प्रभावी एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए बीपीएंडआरडी के साथ किया एमओयू

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान में बीट पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह, जनोन्मुखी एवं तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस और ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (BPR&D), गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य सोमवार को पुलिस मुख्यालय, जयपुर में महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू डीजीपी/आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों के अनुरूप बीट स्तर की पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए तैयार एक वर्षीय एक्शन प्लान के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पुलिस मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस के महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा और BPR&D के महानिदेशक श्री आलोक मित्तल की मौजूदगी में राजस्थान पुलिस की ओर से उप महानिरीक्षक (अपराध) श्री दीपक भार्गव और ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट की ओर से उप महानिरीक्षक, नेशनल पुलिस मिशन, BPR&D, डॉ.किरण कंग सिद्धू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। पुलिसिंग में बीट ही बेसिक है — श्री आलोक मित्तल एमओयू पर हस्ताक्षर के पश्चात बीपीएंडआरडी के महानिदेशक श्री आलोक मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिसिंग में बीट ही बेसिक है। बीट पुलिसिंग की महत्ता को अनुभूत करते हुए डीजीपी/आईजीपी कांफ्रेंस 2025 की सिफारिशों में एक वर्षीय एक्शन प्लान तैयार करने के माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशों की अनुपालना में गोवा के बाद राजस्थान पुलिस का यह दूसरा एमओयू है। उन्होंने कहा कि एमओयू के तहत बीपीएंडआरडी द्वारा राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। इस प्रकार के एमओयू से एक दूसरे राज्य की बेस्ट प्रेक्टिसेज से सीखने को मिलेगा। उन्होंने राजस्थान पुलिस के बीट क्लस्टर कांसेप्ट की भी सराहना की। धरातल पर दिखेगा बदलाव



— श्री राजीव कुमार शर्मा इससे पहले महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में बीट पुलिसिंग को पुलिस एवं आमजन के बीच सबसे महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु बताते हुए इसे और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बीट पुलिसिंग के परंपरागत कार्यों से हटकर अब तकनीक के सहयोग से धरातल पर बेहतर परिणाम दिखाई देंगे। उन्होंने चंडीगढ़ की बीट बुक प्रेक्टिस की सराहना की और इसे अपनाने की प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने कहा कि यह एमओयू बीट पुलिसिंग को अधिक व्यवस्थित, जवाबदेह, जनसहभागी, सूचना आधारित एवं तकनीक-सक्षम बनाने के साथ-साथ अपराध की रोकथाम, पुलिस-जन संवाद और स्थानीय स्तर पर पुलिस की प्रभावशीलता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान उन्होंने नवीन विधिक संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान के प्रयासों के बारे में बताया और इसी प्रकार की उपलब्धियों के लिए टीम राजस्थान पुलिस को तैयार रहने की बात कही। राजस्थान की बीट पुलिसिंग पर हुआ प्रस्तुतीकरण— कार्यक्रम की शुरुआत में डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने डीजी बीपीएंडआरडी श्री आलोक मित्तल तथा डीआईजी डॉ.किरण कंग सिद्धू का डीआईजी राशि डोगरा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था, श्री संजय अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राजस्थान पुलिस की बेस्ट प्रेक्टिसेज के बारे में जानकारी दी। उप महानिरीक्षक पुलिस, क्राइम ब्रांच, श्री दीपक भार्गव ने राजस्थान में वर्तमान बीट पुलिसिंग व्यवस्था एवं इसकी कार्यप्रणाली पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसके पश्चात उप महानिरीक्षक, नेशनल पुलिस मिशन, बीपीएंडआरडी की डॉ.किरण कंग सिद्धू ने बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने के लिए बीपीएंडआरडी की ओर से तैयार कार्ययोजना एवं सहयोग के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। नौ जिलों का प्रथम चरण में चयन— एमओयू के तहत कार्ययोजना के प्रथम चरण में प्रत्येक रेंज के एक— एक, कुल नौ जिलों का चयन करते हुए नवीन बीट प्रणाली को लागू किया गया है। इसें तहत सीकर, जयपुर उत्तर, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, कोटा शहर, डूंगरपुर, चूरू, जैसलमेर एवं जोधपुर पश्चिम को शामिल किया गया है। प्रथम चरण के अनुभवों, उपलब्धियों एवं अच्छे नवाचारों के आधार पर इसके बाद प्रदेशभर के शेष जिलों में नवीन बीट प्रणाली लागू की जाएगी। इस पहल के तहत बीट संरचना को जनसंख्या, अपराध की स्थिति, भौगोलिक परिस्थितियों तथा शहरी-ग्रामीण स्वरूप के आधार पर युक्तिसंगत बनाया जाएगा। बीट स्तर पर हॉटस्पॉट, संवेदनशील स्थानों, महत्वपूर्ण संस्थानों एवं अन्य स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करते हुए जियो-मैप्ड बीट प्रोफाइल तैयार किए जाएंगे।

जयपुर में पड़ोसियों में विवाद के बाद पथराव

संचार जगत

जयपुर। गंगापोल गेट के पास सैयद कॉलोनी में सोमवार शाम गली में गेट निकालने को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी झगड़े में बदल गई और दोनों पक्षों की ओर से पथराव शुरू हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही गलता गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में दोनों पक्षों से 10 लोगों को हिरासत में लिया है। गलता गेट थाना एसएचओ धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि सोमवार शाम करीब 6 बजे दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक पक्ष का गेट कई साल से गली में निकला हुआ था। दूसरा पक्ष भी गली में गेट निकालने को लेकर दबाव बना रहा था।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस हुई और विवाद बढ़ने के बाद पथराव शुरू हो गया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस हुई और विवाद बढ़ने के बाद पथराव शुरू हो गया। पथराव की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। शांति भंग की आशंका को देखते हुए पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ कर रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। पुलिस विवाद के कारणों के साथ ही पथराव में शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
संपर्क : 0141 463 7668 । ई-मेल : sancharjagatkhabar@gmail.com । आरएनआई नं. :RAJHIN/2014/55262। समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।